www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 27 | जौनपुर, शनिवार, 12 सितम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

प्रशासन ने सुरक्षा और स्वच्छता पर दिए सख्त निर्देश

अयोध्या, (संवाददाता)। अयोध्या नवंबर में अपने सालाना दीपोत्सव की तैयारी कर रही है। जिला प्रशासन कार्यक्रम को सुचारू रूप से आयोजित करने के लिए सुरक्षा और साफ–सफाई पर जोर दे रहा है। डिविजनल कमिश्नर राजेश कुमार ने बताया कि हाल ही में हुई एक समन्वय बैठक में पुलिस और विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं और पिछले आयोजनों के अनुभवों के आधार पर सुधारों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि अयोध्या में दीपोत्सव की तैयारियाँ शुरू हो चुकी हैं। इसके तहत कल एक समन्वय बैठक हुई, जिसमें पुलिस प्रशासन और अन्य सभी संबंधित संस्थाओं व विभागों को बुलाया गया था। उन्हें जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। पिछली बार के अनुभवों के आधार पर सुधार कैसे किए जा सकते हैं, इस पर चर्चा हुई। इस साल भी अयोध्या में भव्य दीपोत्सव आयोजित किया जाएगा। इसकी तैयारियाँ चल रही हैं। उन्होंने कहा कि 14–कोसी और 5–कोसी परिक्रमा की तैयारियों की भी समीक्षा की जा रही है और सभी संबंधित विभागों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। कुमार ने कहा कि सभी को निर्देश दे दिए गए हैं। दिवाली के दौरान पूरे शहर की सफाई पर खास ध्यान दिया जाएगा। घाटों और श्राम की पैड़ीश पर होने वाले कार्यक्रमों को ध्यान में रखते हुए, वहां चल रहे निर्माण कार्यों को समय से पहले पूरा करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

कांग्रेस सांसद सुखजिंदर रंधावा का आप सरकार पर बड़ा हमला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने 12 सितंबर को पंजाब में बिगड़ती कानून–व्यवस्था की स्थिति को लेकर आम आदमी पार्टी सरकार की आलोचना की और दावा किया कि पूरे राज्य में गैंगस्टर खुलेआम अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। मोहाली में पत्रकारों से बात करते हुए, रंधावा ने दिन–दहाड़े हत्याओं, सार्वजनिक जगहों पर गोलीबारी और जबरन वसूली की घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बिल्डरों को जबरन वसूली के लिए कॉल आ रहे हैं और पंजाब पुलिस पर गैंगस्टरों के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सबसे खतरनाक बात यह है कि पंजाब पुलिस गैंगस्टरों के साथ मिली हुई है, और साथ ही यह भी कहा कि वह कई दिनों से ये आरोप लगा रहे हैं। इससे पहले, 10 सितंबर को रंधावा ने घोषणा की थी कि कांग्रेस पार्टी दलित मजदूर गुलजार सिंह की आत्महत्या के मामले में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन करेगी। वे पीड़ित परिवार के लिए न्याय की मांग करेंगे और इस मामले पर राज्य सरकार के रवैये की आलोचना करेंगे। इस घटना के बारे में बात करते हुए, रंधावा ने जोर देकर कहा कि इसे राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाया जाना चाहिए और उन्होंने मामले को संभालने के तरीके पर चिंता जताने का वादा किया।

सुरक्षा परिषद में सुधारों को अब टाला नहीं जा सकता - पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ब्रिक्स देशों ने सुबह 4 बजे तक चली लंबी बातचीत के बाद एक संयुक्त बयान पर सहमति बना ली है। बातचीत के दौरान कई विवादित मुद्दों पर मतभेद भी सामने आए। भारत ने सदस्य देशों के बीच अलग–अलग विचारों को एक करने और सहमति बनाने के लिए लगातार बातचीत की। यह कामयाबी इसलिए भी खास है क्योंकि ईरान, सऊदी अरब और सभी एक ही मंच का हिस्सा हैं, जबकि कई क्षेत्रीय और भू–राजनीतिक मुद्दों पर उनके बीच गहरे मतभेद और अलग–अलग विचार हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों और बढ़ते तनाव के बीच, ईरान, सऊदी अरब और जैसे देशों के बीच सहमति बनाना एक बहुत मुश्किल कूटनीतिक चुनौती थी। भारत की कूटनीतिक कुशलता ने यह सुनिश्चित किया कि इन मतभेदों से ब्रिक्स की प्रक्रिया न रुकेय सदस्य देशों के बीच भू–राजनीतिक विचारों में भारी अंतर के बावजूद, भारत ने एक संयुक्त बयान पर सहमति बनाने का रास्ता साफ किया। पीएम मोदी ने आगे कहा कि वैश्विक संस्थानों में तभी लोगों का विश्वास बनेगा, जब हम कलेक्टिव रिस्पॉन्स पर ध्यान देंगे। सीफेयर का वैश्विक व्यापार में बड़ा योगदान है। लेकिन अक्सर उन्हें मुश्किल आती है। मेरा प्रस्ताव है कि क्या हम आपात मैरीटाइम व्यवस्था बना सकते हैं। भविष्य में रूल मेकिंग के लिए वैश्विक भागीदारी सुनिश्चित करना अहम है। एआई, क्रिटिकल तकनीक, आदि भविष्य की नीति और नियम तय कर रहे हैं। हमें ग्लोबल साउथ को रूल मेकर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। सुखद संयोग से आज यूएन डे फॉर साउथ कोऑपरेशन है। इस दिन पर हमारी ओर से ऐसा निर्णय लिया जाना अहम है। भारत इस मामले में लीड लेने के लिए तैयार है। इस ब्रिक्स समिट का संदेश स्पष्ट होना चाहिए। यदि भविष्य हमारा है, तो इसका निर्णय लेने का अधिकार भी हमारा होना चाहिए। सभा को संबोधित करते हुए।

नशा तस्करों की कमाई अब जनता की होगी, अवैध संपत्तियों को जब्त किया जाएगा – सीएम सुक्खू

शिमला, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि नशे के कारोबार से करोड़ों रुपये की अवैध संपत्ति अर्जित करने वालों को अब अपनी आय का हिसाब देना होगा। उन्होंने कहा कि नशा बेचकर आलीशान कोठियां, होटल और दुकानें बनाई गई हैं। जमीन और महंगी गाड़ियां खरीदी गईं। उन्होंने कहा कि यह पैसा और संपत्ति गरीबों और उन परिवारों की है जिनके बच्चे नशे के जाल में फंसाए गए हैं। सुक्खू ने नशा तस्करों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और लगभग 3.27 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त करने के लिए नूरपुर पुलिस को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की ओर से नशे के कारोबार के खिलाफ निर्णायक जंग जारी है और नशा तस्करी से अर्जित अवैध संपत्तियों को जब्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नशा तस्करों की कमाई का हर रुपया अब जनता का होगा। उन्होंने कहा कि नशे की कमाई से बनाई गई संपत्ति वास्तव में उन परिवारों की कीमत पर अर्जित होती है, जिनके बच्चे इस गंभीर सामाजिक बुराई का शिकार हो जाते हैं। नूरपुर में जब्त की गई संपत्तियों में आलीशान कोठी, भूमि, होटल, दुकानें, वाहन और बैंक खाते शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई नशा माफिया के लिए स्पष्ट संदेश है कि प्रदेश में उनके लिए कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की कार्रवाई केवल नशा तस्करों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है। सरकार का लक्ष्य नशे के पूरे नेटवर्क, उसकी आर्थिक व्यवस्था और उससे अर्जित अवैध संपत्ति को पूरी तरह ध्वस्त करना है। उन्होंने कहा कि पुलिस और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को इस दिशा में पूरी स्वतंत्रता दी गई है तथा उन्हें राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल में 15000 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट शुरू, सीएम ने रोबोटिक फायर–फाइटिंग सिस्टम का किया ऐलान

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने 11 सितंबर को राज्य में विकास की कई अहम योजनाओं के बारे में बताया। इनमें 15,000 करोड़ रुपये का एक प्रोजेक्ट, 600 करोड़ रुपये की अमूल सुविधा और रोबोटिक फायर–फाइटिंग सिस्टम शामिल हैं। यह सिस्टम ऐसी जगहों तक पहुँचने के लिए बनाया गया है जहाँ आम फायर टेंडर नहीं पहुँच पाते। पिछले चार महीनों में हुई प्रगति का जिक्र करते हुए अधिकारी ने कहा कि पिछले चार महीनों में हमने कई अहम प्रोजेक्ट देखे हैंय जैसे, गंगोनी में एक प्रोजेक्ट के लिए 700 करोड़ रुपये का बड़ा वादा किया गया था। 15,000 करोड़ रुपये का एक बहुत बड़ा प्रोजेक्ट भी शुरू हो चुका है। रोबोटिक फायर–फाइटिंग सिस्टम के बारे में उन्होंने कहा कि हम रोबोटिक फायर–फाइटिंग सिस्टम जैसे प्रोजेक्ट्स में तरक्की देख रहे हैं, जो ऐसी जगहों पर काम कर सकते हैं जहाँ बड़ी फायर ट्रक नहीं पहुँच सकतीं। अधिकारी ने अमूल के 600 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट पर काम शुरू होने का भी जिक्र किया और कहा, ष्तीसरा बड़ा प्रोजेक्ट अमूल से जुड़ा है, जिसमें 600 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। काम पहले ही शुरू हो चुका है और एक बड़ी फैसिलिटी बनाई जा रही है। उद्घाटन कियाय कैबिनेट ने इस प्रोजेक्ट को पहले ही मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री ने ये बातें कोलकाता में सॉल्ट लेक सिटी सेंटर के पास स्टाइल बाजार में आयोजित श्फैशन वॉर्डरोबश इवेंट में कहीं, जहाँ वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता भी मौजूद थे।

निर्माण श्रमिकों के परिवार को अब 10 लाख तक कैशलेस इलाज, उपराज्यपाल ने योजना को दी मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में निर्माण कार्य से जुड़े 2.7 लाख से ज्यादा पंजीकृत श्रमिकों और उनके पात्र आश्रित परिवारों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का बड़ा रास्ता खुल गया है। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली बिल्डिंग वर्कर्स हेल्थ स्कीम को मंजूरी दे दी है। इसके तहत एक लाभार्थी को सालाना अधिकतम 2 लाख रुपये और पूरे परिवार को 10 लाख रुपये तक कैशलेस इलाज मिलेगा। योजना में ओपीडी से लेकर भर्ती, जांच, दवाएं, आपातकालीन उपचार और मातृत्व स्वास्थ्य तक की सुविधाएं शामिल की गई हैं। दिल्ली बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड में फिलहाल 2.7 लाख से अधिक निर्माण श्रमिक सक्रिय सदस्य के तौर पर पंजीकृत हैं। योजना का लाभ इन्हीं श्रमिकों और उनके पात्र आश्रित परिवार के सदस्यों को मिलेगा। प्रत्येक श्रमिक और उसके पात्र जीवनसाथी का सालाना स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया जाएगा। एक लाभार्थी के इलाज की सीमा 2 लाख रुपये होगी, जबकि परिवार के सभी सदस्यों के लिए कुल सीमा 10 लाख रुपये सालाना तय की गई है। योजना के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों के नेटवर्क में सीजीएचएस दरों पर कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें डॉक्टर से परामर्श, जांच, दवाएं और अस्पताल में भर्ती होकर उपचार शामिल होगा। इसके अलावा आपातकालीन उपचार, व्यावसायिक बीमारियां, पुरानी बीमारियां, विशेषज्ञ चिकित्सा, मातृत्व स्वास्थ्य और पुनर्वास को भी योजना में शामिल किया गया है। निर्माण स्थल पर हादसा होने या अचानक चिकित्सा आपात स्थिति पैदा होने पर श्रमिक को पहले अस्पताल की सूची देखने की जरूरत नहीं होगी। ऐसे मामलों में नजदीकी गैर–सूचीबद्ध अस्पताल में भी इलाज कराया जा सकेगा। उस अस्पताल को इलाज की सीमित अवधि के लिए अस्थायी रूप से सूचीबद्ध माना जाएगा। निर्माण श्रमिकों के लिए यह सुविधा खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि काम के दौरान दुर्घटना की स्थिति में तत्काल उपचार सबसे जरूरी होता है। योजना के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट भी चलाई जाएंगी। ये इकाइयां कार्यस्थलों से श्रमिकों को सूचीबद्ध अस्पतालों तक पहुंचाने, स्वास्थ्य जांच कराने और योजना के प्रति जागरूकता फैलाने में मदद करेंगी।

विजय के खिलाफ डीएमके ने खोला मोर्चा

चेन्नई, (एजेंसी)। तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी डीएमके ने शनिवार को पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की निंदा करते हुए उन पर पार्टी के दिवंगत नेता एम. करुणानिधि और पार्टी अध्यक्ष एम. के. स्टालिन के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया। यहां विरोध–प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ नेता पीके शेखर बाबू ने स्टालिन की कुर्बानियों, व्यक्तित्व और मानवीय स्वभाव के लिए तारीफ की और उन्हें मिस्टर क्लीन बताते हुए कहा कि वे नैतिकता और मूल्यों का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा में डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार ने ऐसे बेदाग नेता को निशाना बनाया। डीएमके ने कानून मंत्री आर. निर्मल कुमार के उन दावों पर आपत्ति जताई जिनमें इमरजेंसी (1975–77) के दौरान स्टालिन की जेल की सजा का जिक्र था। बाबू ने विधानसभा में करुणानिधि और स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकारों के दौरान भ्रष्टाचार के सीएम विजय के हालिया आरोपों को महज एक घंटे तक बोले गए फिल्मी डायलॉग कहकर खारिज कर दिया। उन्होंने दावा किया कि सदन में डीएमके ने इस पर आपत्ति जताई और विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन को आरोपों का जवाब देने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने आगे कहा, डीएमके एक घायल शेर की तरह मैदान में डटी हुई है। एक दिन इसका पूरा हिसाब–किताब बराबर किया जाएगा।श डीएमके ने कुछ दिन पहले कहा था कि विधानसभा में विजय का भाषण कड़ी निंदा के लायक है क्योंकि इसमें पार्टी, पांच बार मुख्यमंत्री रहे करुणानिधि, दिवंगत केंद्रीय मंत्री मुरासोली मारन और पार्टी प्रमुख स्टालिन के त्याग का मजाक उड़ाया गया था। डीएमके पर कड़ा हमला करते हुए, आक्रामक विजय ने 7 सितंबर को विधानसभा में पिछली सरकारों के दौरान कथित गंभीर और संगठित भ्रष्टाचार के लिए पार्टी को निशाने पर लिया। विजय ने दशकों पहले करुणानिधि के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार पर निशाना साधने के लिए सरकारिया आयोग की रिपोर्ट का सहारा लिया। मुख्यमंत्री ने इस मामले में मारन का भी जिक्र किया था। मुख्यमंत्री ने डीएमके के 2021–26 के कार्यकाल के दौरान कथित भ्रष्टाचार को लेकर राज्य सरकार के साथ साझा किए गए।

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी में जुटी भाजपा, लखनऊ में हुई कोर ग्रुप की बैठक

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी के कोर ग्रुप ने शुक्रवार शाम लखनऊ में एक अहम बैठक की। भाजपा के राज्य मुख्यालय में हुई यह बैठक दो घंटे से ज़्यादा समय तक चली और इसमें पार्टी की चुनावी तैयारियों, संगठनात्मक रणनीति और आने वाले अभियानों पर चर्चा हुई। यह बैठक उत्तर प्रदेश भाजपा द्वारा अपने क्षेत्रीय और फ्रंटल संगठनों के प्रभारियों (जिनमें छह क्षेत्रीय प्रभारी भी शामिल हैं) की घोषणा के कुछ ही समय बाद हुई है। इस बैठक में बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, उत्तर प्रदेश के प्रभारी विनोद तावड़े, सह–प्रभारी जगदीश पटेल, राज्य बीजेपी अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री पंकज चौधरी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक शामिल हुए। बैठक के बाद पंकज चौधरी ने बताया कि नेताओं ने 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारियों और आने वाले महीनों में पार्टी की दिशा को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक में मुख्य रूप से 17 सितंबर से शुरू होने वाले अभियानों पर चर्चा हुई, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के साथ मेल खाते हैं। पंकज चौधरी ने कहा कि बीजेपी 17 सितंबर से श्सेवा संकल्पश और सुशासन अभियान शुरू करेगी। उन्होंने बताया कि बैठक में इन अभियानों की तैयारियों और उन्हें लोगों तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा की गई। चौधरी ने कहा कि हमने बीएल संतोष जी, बीजेपी उत्तर प्रदेश के प्रभारी और महासचिव विनोद तावड़े जी, सह–प्रभारी जगदीश पटेल जी, मुख्यमंत्री और दोनों उप–मुख्यमंत्रियों के साथ विस्तार से चर्चा की। तैयारियों के साथ–साथ हमने 17 सितंबर से शुरू होने वाले सेवा संकल्प और सुशासन अभियानों की योजनाओं पर भी चर्चा की। पंकज चौधरी ने यह भी कहा कि उन्हें राज्य बीजेपी अध्यक्ष का पद संभाले हुए ज़्यादा समय नहीं हुआ है और जल्द ही राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक बुलाने पर चर्चा हुई। नेतृत्व ने इस बात पर भी चर्चा की कि आने वाले महीनों में संगठन को किस दिशा में काम करना चाहिए ।

अखिलेश यादव ने वाराणसी में जलभराव पर साधा निशाना, कहा विदेशी पर्यटकों के सामने विकास पानी–पानी

लखनऊ, (संवाददाता)। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि काशी में विदेशी पर्यटकों के सामने 'विकास' पानी–पानी हो गया। सपा प्रमुख यादव ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर व्यंग्यात्मक अंदाज में पोस्ट किया, ''काशी में विदेशी पर्यटकों के सामने पानी–पानी हुआ देश की 'प्रधान नगरी' का जलमग्न विकास!'' उन्होंने वाराणसी में बाढ़ से उपजी बदइंतजामी के लिए परोक्ष रूप से राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा, ''जब तक 'प्रधान नगरी' काशी को जलमग्न 'मुख्य नगरी' गोरखपुर जैसा नहीं बना देंगे, तब तक लखनऊ वाले मानेंगे नहीं।'' यादव ने अपने पोस्ट में कहा, ''दरअसल अब आपस का झगड़ा अंतरराष्ट्रीय हो गया है। बात दिल्ली बनाम लखनऊ से ऊपर उठकर 'क्योटो बनाम स्पेन' की हो गई है।'' काशी (वाराणसी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संसदीय क्षेत्र है, जिसका वह तीसरी बार प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। अगस्त 2018 में भारत और जापान के बीच पहला समझौता हुआ, जिसके तहत काशी को जापान के शहर क्योटो की तर्ज पर विकसित किए जाने की बात कही गई थी। वहीं, गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृह जनपद है और वह वहां की प्रसिद्ध गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर भी हैं। हाल में भाजपा सांसद रविकिशन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में आयोजित एक कार्यक्रम में गोरखपुर के विकास की तारीफ करते हुए शहर की तुलना स्पेन से की थी।

पत्रकारों को सदर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने दो दिवसीय यात्रा के दौरान कराया मां विंध्यवासिनी व बाबा विश्वनाथ का दर्शन पूजन

अयोध्या।अयोध्या सदर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने अपने निजी स्तर से अयोध्या के पत्रकार बंधुओं के लिए दो दिवसीय धार्मिक यात्रा का आयोजन कराकर अनूठी पहल की।11 और 12 सितंबर को आयोजित इस यात्रा में पत्रकारों के दल को निजी बसों के माध्यम से मिर्जापुर स्थित मां विंध्यवासिनी धाम,विंध्याचल और वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन–पूजन कराए गए।बताते चले शुक्रवार को सुबह अयोध्या से रवाना हुआ पत्रकारों का दल सबसे पहले मिर्जापुर जिले के विंध्याचल धाम पहुंचा,जहां विधायक वेद प्रकाश गुप्ता की ओर से पत्रकारों को मां विंध्यवासिनी के दर्शन एवं विधिवत पूजन कराया गया।इसके बाद दल वाराणसी पहुंचा,जहां पत्रकारों ने पवित्र गंगा घाट पर गंगा आरती में सहभागिता की और मां गंगा का आशीर्वाद प्राप्त किया।यात्रा के दूसरे दिन शनिवार को पत्रकारों के दल को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ले जाया गया।यहां सभी ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन–पूजन कर देश, प्रदेश और अयोध्या की सुख–समृद्धि की कामना की।इस दौरान पत्रकारों में भी खासा उत्साह देखने को मिला।विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि धार्मिक स्थलों के दर्शन से मन को नई ऊर्जा और सकारात्मकता मिलती है।पत्रकार समाज का महत्वपूर्ण अंग हैं और निरंतर अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं।उनके साथ कुछ समय आध्यात्मिक वातावरण में बिताने और उन्हें धार्मिक स्थलों का दर्शन कराने का उद्देश्य आपसी आत्मीयता और संवाद को और मजबूत करना है।इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि अमल गुप्ता सहित पत्रकार बंधु मौजूद रहे।इस मौके पर पत्रकारों में खासकर जेपी श्रीवास्तव,के बी शुक्ला,सचिन सरीन, अमित मिश्रा,सुबोध श्रीवास्तव,रूपेश श्रीवास्तव सहित पत्रकार शामिल रहे।दो दिवसीय यात्रा के दौरान पत्रकारों ने विंध्याचल की भक्ति, वाराणसी की आध्यात्मिकता और बाबा विश्वनाथ की नगरी की धार्मिक संस्कृति को करीब से महसूस किया।खास बात पत्रकारों के लिए विधायक की ओर से आयोजित यह धार्मिक यात्रा आपसी संबंधों और संवाद को मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय पहल के रूप में चर्चा में रही।

संपादकीय

मीडिया कवरेज का अनुरोध

मोदी पत्रकारों के सवालों का जवाब देना पसंद नहीं करते, यह जग–जाहिर है। इसलिए भारत का प्रेस कांफ्रेंस ना रखने का अनुरोध असामान्य नहीं है। असामान्य अमेरिका का उस अनुरोध के प्रति दिखाई गई बेकद्री है। कूटनीतिक स्तर पर हुए संदेशों के आदान–प्रदान की सार्वजनिक चर्चा कर अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने जताया है कि ट्रंप काल में अमेरिका के मन में भारतीय नेतृत्व के प्रति कितनी बेकद्री भरी हुई है। जो उन्होंने बताया, उनसे यह और भी स्पष्ट हुआ। यह सवाल भारत सरकार से पूछा जाएगा कि आखिर यह स्थिति उसने क्यों बनने दी है? भारत में अमेरिकी राजदूत गोर ने एक कार्यक्रम में बताया कि जून में जी–7 शिखर सम्मेलन के दौरान जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वहां जाने का कार्यक्रम बना, तो भारतीय विदेश मंत्रालय ने अनुरोध किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ उनकी मुलाकात की तस्वीरें लेने की अनुमति दी जाए, लेकिन सवाल–जवाब वाली पूरी कॉन्फ्रेंस ना रखी जाए। गोर ने यह नहीं कहा, लेकिन अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत की इस शर्त पर अमेरिका सहमत हुआ। लेकिन मुलाकात के बाद मोदी और डॉनल्ड ट्रंप मीडिया के सामने आए, तो शुरुआती बयान पूरा होते ही ट्रंप ने वहां मौजूद पत्रकारों से खुद ही पूछ लिया कि क्या ष्कोई सवाल है?ष उसके बाद वे 45 मिनट तक सवालों के जवाब देते रहे, जबकि मोदी खामोश बैठे रहे। इस खुलासे से बनी असहज स्थिति के बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने सफाई दी कि किसी शीर्ष नेता के विदेशी दौरों से पहले मीडिया में उनकी उपस्थिति के प्रारूप को लेकर संबंधित देशों के बीच चर्चा होना श्मानक प्रोटोकॉल्य है। भारतीय पक्ष ने अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार ही मीडिया कवरेज का अनुरोध किया। मोदी पत्रकारों के सवालों का जवाब देना पसंद नहीं करते, यह जग–जाहिर है। इसलिए भारत की तरफ से ऐसा अनुरोध असामान्य नहीं है। असामान्य अमेरिका का उस अनुरोध के प्रति दिखाई गई बेकद्री है। अपेक्षित था कि ट्रंप के उस व्यवहार पर भारत सरकार तुरंत सार्वजनिक विरोध जताती। मगर ऐसा नहीं किया गया। अब घरेलू जनमत को संभालने के लिए श्सरकारी सूत्रोंच से ब्रीफिंग कराई गई है कि मीडिया के सामने विदेशी नेताओं के साथ ट्रंप के श्अप्रत्याशित व्यवहारच्च के कारण उपरोक्त अनुरोध किया गया। इस बात में सच्चाई हो सकती है, लेकिन असल मुद्दा उस अनुरोध के प्रति का ट्रंप का रहा व्यवहार है।

रूस–भारत संबंध नई ऊंचाइयों पर

ब्रिक्स 2026 समिट पूर्व रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत आगामी दौरे से काफी उम्मीदें हैं, और इस पर तेजी से काम चल रहा है। भारत अपनी 2026 की अध्यक्षता के तहत 18वें ब्रिक्स समिट की मेजबानी कर रहा है। यह समिट 12–13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में होना तय है। राष्ट्रपति पुतिन के मुख्य समिट से एक दिन पहले, 11 सितंबर को नई दिल्ली पहुँचने की उम्मीद है। उनके दौरे में हैदराबाद हाउस में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक खास द्विपक्षीय बैठक होगी, जिसमें कई रणनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। यह एक साल से भी कम समय में पुतिन का दूसरा दौरा होगा– पिछला दौरा दिसंबर 2025 में 23वें भारत–रूस वार्षिक समिट के लिए हुआ था। भारत 'अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय' (आईसीसी) का सदस्य नहीं हैय इसलिए गिरफ्तारी वारंट का मुद्दा, जैसा कि 2023 में दक्षिण अफ्रीका में हुआ था, यहाँ लागू नहीं होता। रक्षा और परमाणु ऊजार्रू क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने पुष्टि कीरू ष्भारत को एडवांस्ड सू–57 फाइटर जेट्स की बिक्री एजेंडा में सबसे ऊपर होगीष। पेस्कोव ने मंगलवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स नेताओं के समिट से पहले भारतीय पत्रकारों के साथ एक वर्चुअल बातचीत में यह बात कही। अमका में देरी के बाद भारतीय वायु सेना दो स्क्वाड्रन पर विचार कर रहा है। चर्चा में भारत को 5वीं पीढ़ी के सू–57 फाइटर एयरक्राफ्ट के अलावा एस–500 सिस्टम की संभावित बिक्री भी शामिल होने की उम्मीद है। इसके अलावा, रूस नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने पर भारत के साथ बातचीत का इंतजार कर रहा है। व्यापार और वित्तीय सहयोगरू दोनों देशों के पश्चिमी प्रतिबंधों के असर को कम करने के लिए राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने पर जोर देने की उम्मीद है। रूसी अधिकारियों ने बताया है कि ब्रिक्स देशों के साथ उनके 90 प्रतिशत तक लेन–देन अब राष्ट्रीय मुद्राओं में किए जाते हैं, जो वित्तीय मजबूती की दिशा में एक कदम है। द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य +100 बिलियन है। रेयर अर्थ (दुर्लभ खनिजों) की खोज में सहयोग भी एजेंडा में शामिल है। भारत को सेमीकंडक्टर के लिए इनकी जरूरत है। रूस के पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा भंडार है, जबकि भारत के पास वैश्विक भंडार का लगभग सात प्रतिशत हिस्सा है। रूस रेयर अर्थ खनिजों की खोज में भारत की मदद कर सकता है। टेक्नोलॉजी और मैन्युफैक्चरिंगरू पेमेंट की दिक्कतों के कारण भारत–रूस व्यापार +65 बिलियन पर अटका हुआ है, क्योंकि रूस को डॉलर इम्पोर्ट करने की इजाजत नहीं है। रूस और ब्रिक्स के बीच अब लगभग 90: लेन–देन नेशनल करेंसी में हो रहा है, और रुपये के सरप्लस (अतिरिक्त) का मुद्दा धीरे–धीरे सुलझाया जा रहा है। रुपये का वह ढेर – रूस के पास भारतीय बैंकों में लगभग +8 बिलियन अतिरिक्त रुपये पड़े हैं जिनका वह इस्तेमाल नहीं कर सकता – मुख्य मुद्दों में से एक होगा। समिट से पहले, भारतीय इंडस्ट्रियल एजेंसियां मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में गहरे संबंधों के लिए माहौल तैयार कर रही हैं। समिट के दौरान, भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हाई–परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग, क्वांटम टेक्नोलॉजी और सेमीकंडक्टर रिसर्च में सरकार और रिसर्च के स्तर पर करीबी सहयोग को बढ़ावा देने की उम्मीद कर रहा है। भू–राजनीतिक नजरिए से, यह दौरा भारत की रणनीतिक स्वायत्तता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। नई दिल्ली रूस पर अपनी पारंपरिक रक्षा और ऊर्जा निर्भरता को संतुलित करते हुए अमेरिका के साथ सहयोग को गहरा कर रही है और व्यापक क्षेत्रीय स्थितियों को भी संभाल रही है। इसके अलावा, राष्ट्रपति पुतिन मोदी को यूक्रेन युद्ध की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी देंगे – भारत को फिर से एक संभावित मध्यस्थ के रूप में देखा जा रहा है। मॉस्को ने यूक्रेन संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान खोजने के प्रयासों में योगदान देने की भारत की इच्छा का सार्वजनिक रूप से स्वागत किया है, जिससे राजनयिक बातचीत में एक सकारात्मक माहौल बना है। ट्रंप प्रशासन ने भारत को रूसी तेल खरीदने (50: टैरिफ की धमकी) के बारे में चेतावनी दी है, लेकिन भारत की ऊर्जा जरूरतें ज्यादा अहम हैं। अमेरिका इस समिट पर बारीकी से नजर रखेगा क्योंकि इसमें डी–डॉलराइजेशन पर चर्चा हो सकती है – पेस्कोव पहले ही स्पष्ट कर चुके हैंरू ष्रूस डी–डॉलराइजेशन नहीं चाहताय अमेरिका ने खुद डॉलर को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया हैष। भारत की 2026 ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम, ष्मजबूती, इनोवेशन, सहयोग और सस्टेनेबिलिटी के लिए निर्माणष के तहत, समिट 11–सदस्यीय समूह में व्यावहारिक सहयोग को बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। इसमें डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को आगे बढ़ाना, क्लाइमेट एक्शन और प्रस्तावित ग्लोबल रिसर्च एडवांस्ड इंफ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क जैसी मल्टीलेटरल पहल शामिल हैं, जो सदस्य देशों के बीच हाई–परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग संसाधनों को साझा करेंगी।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में मोदी का शक्ति प्रदर्शन देखकर पाकिस्तान में मची है जबरदस्त खलबली

नीरज

नई दिल्ली में आयोजित हो रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की गूंज वैसे तो पूरी दुनिया में सुनाई दे रही है लेकिन पाकिस्तान के सत्ता और रक्षा प्रतिष्ठान में इसे लेकर जबरदस्त सन्नाटा छाया हुआ है। सन्नाटा इसलिए है क्योंकि शहबाज शरीफ से लेकर असीम मुनीर तक, आसिफ अली जरदारी से लेकर ख्वाजा आसिफ तक और इशाक डार से लेकर पाकिस्तान के अन्य बड़बोले नेताओं तक की नजरें टीवी चौनलों पर लगी हुई हैं और जैसे जैसे वैश्विक नेता एक एक कर दिल्ली की धरती पर उतर रहे हैं वैसे वैसे पाकिस्तान हुक्मरानों का गला सूखता जा रहा है। हम आपको बता दें कि इस्लामाबाद के लिए दिल्ली का यह सम्मेलन इसलिए असहज करने वाला है क्योंकि यहां चीन, ईरान और सऊदी अरब जैसे उसके अपने रणनीतिक साझेदार भी मौजूद हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टें दर्शा रही हैं कि इस्लामाबाद की कुटिल नजर भारत–चीन संबंधों के संभावित सुधार पर टिकी हुई हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय से भी बाकायदा चीन–भारत बढ़ती नजदीकी पर सवाल पूछा गया, जिस पर उसने कहा कि चीन के साथ उसकी "सस–मूंजीमत" साझेदारी किसी तीसरे देश के साथ चीन के संबंधों से प्रभावित नहीं होगी। लेकिन यही स्पष्टीकरण बताता है कि सवाल कितना महत्वपूर्ण हो चुका है। पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा झटका मोदी–शी जिनपिंग की मुलाकात होने वाली है। सात साल बाद शी जिनपिंग का भारत आना अपने आप में बड़ा संकेत है। सीमा विवाद के बाद दोनों देशों ने धीरे–धीरे संवाद बहाल किया है और अब व्यापार, निवेश, सीमा प्रबंधन तथा रणनीतिक संवाद पर आगे बढ़ने की कोशिश हो रही है। पाकिस्तान के लिए समस्या यह है कि उसकी सुरक्षा रणनीति लंबे समय से इस धारणा पर टिकी रही है कि भारत को दो मोर्चों पर एक साथ दबाव में रखा जा सकता है। लेकिन अगर बीजिंग और नई दिल्ली टकराव से प्रतिस्पर्धी सह–अस्तित्व की ओर बढ़ते हैं, तो इस्लामाबाद का वह रणनीतिक गणित कमजोर पड़ सकता है। साथ ही पाकिस्तान इसलिए भी परेशान है कि यदि भारत और चीन के संबंध सुधरे तो भविष्य के भारत–पाक संघर्ष में बिना बीजिंग के सहयोग के इस्लामाबाद के लिए मैदान में कुछ घंटे टिक पाना भी मुश्किल हो जायेगा। दूसरा मोर्चा मोदी–पुतिन समीकरण है। दोनों नेताओं की बैठक में S-400 की अंतिम यूनिट की डिलीवरी और अगली पीढ़ी के ठतीडवे पर चर्चा हो रही है। भारत को चार S-400 रेजिमेंट मिल चुकी हैं और पांचवीं की डिलीवरी पर रूस ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। पाकिस्तान के लिए यह इसलिए चिंता का विषय है क्योंकि भारत की वायु–रक्षा और लंबी दूरी की मारक क्षमता में रूसी सहयोग उसकी सैन्य गणना को और कठिन बनाता है। आने वाले समय में ठतीडवे के उन्नत संस्करण और संयुक्त उत्पादन पर बातचीत इस तस्वीर को और गंभीर बना सकती है। हम आपको याद दिला दें कि पिछले साल हुए भारत–पाक सैन्य संघर्ष के दौरान रूस की एस–400 ने पाकिस्तान के लगभग सभी हमलों को निष्क्रिय कर दिया था। उस समय पाकिस्तान ने चीन और तुर्की से रक्षा उपकरण लेकर भारत पर निशाने साधे थे लेकिन एस–400 के आगे कोई नहीं टिक पाया था। ऐसे में पाकिस्तान की नजरें इस बात पर बनी हुई हैं कि भारत और रूस के बीच क्या नये रक्षा समझौते होने जा रहे हैं। पाकिस्तान की तीसरी चिंता सऊदी अरब और चौथी ईरान को लेकर है। ठत्प्ै की मेज पर सऊदी अरब और ईरान दोनों हैं, जबकि पश्चिम एशिया अब भी संघर्ष की आग में झुलस रहा है। पाकिस्तान के लिए यह बेहद असहज परिस्थिति है क्योंकि एक तरफ वह सऊदी अरब के साथ अपने सुरक्षा संबंधों को महत्वपूर्ण मानता है, दूसरी तरफ भारत के खाड़ी देशों के साथ रिश्ते लगातार गहरे हो रहे हैं। इसी बीच ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन भारत पहुंचे हैं और मोदी के साथ उनकी द्विपक्षीय वार्ता भी हो रही है। पाकिस्तान की चिंता यहां यह है कि सऊदी अरब के साथ वह हाल ही में मक्का पैक्ट में शामिल हुआ है। ऐसे में यदि भारत और सऊदी अरब के संबंध और मजबूत होते हैं तो मक्का

पैक्ट के पैकेट की हवा पूरी तरह निकल जायेगी। साथ ही ईरानी राष्ट्रपति से मोदी की बातचीत के बाद यदि पश्चिम एशिया के हालात में सुधार होता है तो पाकिस्तान की उस पूरी कूटनीतिक कवायद पर पानी फिर जायेगा जिसके तहत कभी अमेरिका और ईरान को इस्लामाबाद बुलाकर वार्ता कराई गयी तो कभी शहबाज शरीफ और असीम मुनीर भागे भागे तेहरान और वाशिंगटन के चक्कर लगाते रहे। साथ ही पाकिस्तान को एक और कारण से बेचौनी हो रही है। दरअसल जिस में पाकिस्तान सदस्यता चाहता है, उसी मंच की मेजबानी भारत कर रहा है और विस्तार के लिए सर्वसम्मति जरूरी होने के कारण पाकिस्तान की सदस्यता की राह में भारत की आपत्ति निर्णायक बाधा है। हम आपको यह भी बता दें कि इस समय पाकिस्तान के टीवी चौनलों और सोशल मीडिया मंचों पर चल रही डिबेटस में मोदी की सफल कूटनीति का विश्लेषण करने के साथ–साथ शहबाज और मुनीर की जोड़ी की कूटनीतिक विफलताओं पर भी खुलकर चर्चा की जा रही है।

ब्रिक्स शक्ति- संघर्ष का अखाड़ा नहीं, सहयोग का सेतु बने

ललित

नई दिल्ली में 12–13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब विश्व व्यवस्था गहरे संक्रमण से गुजर रही है। रूस–यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव, आतंकवाद, व्यापारिक टकराव, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा की चिंता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तेज होती चुनौती और वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने दुनिया के सामने अनेक अनुत्तरित सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ ही अमेरिका की व्यापार एवं रणनीतिक नीतियों से पैदा हो रहा दबाव भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। ऐसे वातावरण में भारत की अध्यक्षता में होने वाला यह सम्मेलन केवल एक कूटनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत ने अपनी अध्यक्षता का मूल मंत्र रखा है–लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के आधार पर भविष्य का निर्माण। ब्रिक्स अब 2006 में आरंभ हुई उस मूल अवधारणा से बहुत आगे निकल चुका है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में सामने आए थे और बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हुआ। विस्तार के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन चुका है और इसका प्रभाव वैश्विक दक्षिण की

राजनीति और अर्थव्यवस्था में लगातार बढ़ा है। वर्ष 2026 ब्रिक्स की स्थापना के दो दशक पूरे होने का वर्ष भी है। भारत के लिए यह अध्यक्षता इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह ब्रिक्स को किसी पश्चिम–विरोधी या अमेरिका–विरोधी मंच के रूप में नहीं, बल्कि विकासशील एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं की रचनात्मक, संतुलित और बहुपक्षीय आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है। ब्राजील में 2025 के ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने, बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार वैश्विक शासन, जलवायु वित्त, स्वास्थ्य, व्यापार और वित्तीय सहयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सहमति बनी थी। रियो घोषणा में संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया था। साथ ही स्थानीय मुद्राओं में वित्तीय लेन–देन, सीमा–पार भुगतान व्यवस्था और आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ने की बात कही गई थी। भारत को 2026 की अध्यक्षता सौंपते हुए ब्राजील ने नई दिल्ली से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की थी। इस दृष्टि से दिल्ली सम्मेलन की पहली बड़ी कसौटी यही होगी कि ब्रिक्स घोषणाओं और वास्तविक उपलब्धियों के बीच की दूरी कितनी कम कर पाता है। भारत ने अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा सहयोग, आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग तथा सांस्कृतिक एवं जन–जन संपर्क–इन तीनों क्षेत्रों में व्यावहारिक परिणामों पर जोर दिया गया है। इसलिए अब दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि सम्मेलन के अंत में केवल लंबा संयुक्त घोषणापत्र सामने आता है या कुछ ऐसे ठोस फैसले भी होते हैं जिनका असर आने वाले वर्षों में दिखाई दे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं। ब्राजील सम्मेलन में भी एआई के वैश्विक शासन को लेकर व्यापक चिंता व्यक्त की गई थी। भारत अब ब्रिक्स देशों के बीच एआई, उन्नत कंप्यूटिंग, क्वांटम तकनीक और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में जोर दे रहा है। यदि ब्रिक्स तकनीक को कुछ शक्तिशाली देशों और कंपनियों के नियंत्रण से बाहर निकालकर विकासशील देशों की पहुंच तक ले जाने की प्रभावी व्यवस्था बना सके, तो यह उसकी बड़ी उपलब्धि होगी। दूसरी बड़ी चुनौती आर्थिक है। विश्व अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स का वजन बढ़ रहा है, लेकिन समूह के भीतर आपसी व्यापार अभी भी उसकी संभावित क्षमता के अनुरूप नहीं है। भारत आपूर्ति शृंखलाओं को अधिक मजबूत और विविध बनाने, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को वित्त उपलब्ध कराने तथा स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। जयपुर में हुई ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स इकनोमिक पार्टनरशिप 2030, एमएसएमई के लिए वित्तीय सुविधा और अधिक संतुलित व्यापार जैसे मुद्दों पर प्रगति हुई है। यहां 'डी–डॉलराइजेशन' का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत का दृष्टिकोण अत्यंत व्यावहारिक है। भारत किसी नई साझा ब्रिक्स मुद्रा के निर्माण की जल्दबाजी में नहीं है। इसके बजाय सीमा–पार डिजिटल भुगतान की ऐसी व्यवस्था विकसित करने पर जोर है, जिससे सदस्य देश अपनी–अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में अपेक्षाकृत सुगम व्यापार कर सकें। यह दृष्टिकोण अमेरिकी डॉलर के खिलाफ किसी राजनीतिक मोर्चेबंदी से अधिक वित्तीय स्वायत्तता और लेन–देन की सुविधा का प्रयास है। परंतु ब्रिक्स की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी आंतरिक विविधता और मतभेद हैं। भारत और चीन के बीच सीमा एवं रणनीतिक अविश्वास की विरासत अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। रूस और पश्चिम के बीच संघर्ष, ईरान से जुड़े तनाव तथा पश्चिम एशिया की जटिल परिस्थितियां भी ब्रिक्स के लिए साझा राजनीतिक रुख बनाना कठिन बनाती हैं। विशेष रूप से पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट में ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के अलग–अलग हित हैं। ऐसे में ब्रिक्स यदि हर अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर एकमत नहीं हो पाता तो यह उसकी सीमाओं को उजागर करेगा। यही कारण है कि भारत के सामने इस सम्मेलन में सबसे कठिन कूटनीतिक संतुलन है। उसे चीन और रूस के साथ सहयोग भी बढ़ाना है, लेकिन अमेरिका और यूरोप सहित पश्चिमी देशों से अपने आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध भी बनाए रखने हैं। भारत का हित किसी एक शक्ति–ध्रुव के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता मजबूत करने में है। ब्रिक्स को यदि केवल 'पश्चिम के विकल्प' के रूप में प्रस्तुत किया गया तो उसकी स्वीकार्यता सीमित हो सकती है, लेकिन यदि वह वैश्विक दक्षिण के विकास, शांति, तकनीकी समानता और न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व का मंच बनता है, तो उसका महत्व कहीं अधिक बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं। उनका तर्क है कि बीसवीं सदी में बनाई गई संस्थाओं को इक्कीसवीं सदी की वास्तविकताओं के अनुरूप बदलना होगा। आज विश्व अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान बढ़ा है, यदि उन्हें निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता तो संस्थाओं की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता दोनों प्रभावित होती हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में सुधार की मांग इसी व्यापक संदर्भ का हिस्सा है। ब्रिक्स इस मांग को संगठित आवाज देने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। लेकिन सम्मेलन की सफलता का वास्तविक पैमाना अमेरिका की आलोचना या पश्चिमी व्यवस्था को चुनौती देना नहीं होगा। सफलता तब मानी जाएगी जब ब्रिक्स दुनिया को बेहतर विकल्प दे–ऐसा विकल्प जिसमें आर्थिक सहयोग हो, तकनीकी साझेदारी हो, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा हो, आतंकवाद के विरुद्ध साझा प्रतिबद्धता हो, आपूर्ति शृंखलाओं की सुरक्षा हो।

न्यायपालिका की भूमिका और अधिकारों की रक्षा के सवाल

राजेश

अदालती फैसलों के अलावा सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जवल भुयन की लगातार आ रही टिप्पणियां भी न्यायपालिका में चल रहे विचार मंथन की झलक पेश करती हैं। उन्होंने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अदालतों के कई फैसलों की आलोचना की है। सुप्रीम कोर्ट के किसी जज द्वारा न्यायिक फैसलों की खामियों को सामने रखने के उदाहरण दुर्लभ होते जा रहे हैं। बहरहाल, पहले संवैधानिक अदालतों (सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट) के कुछ निर्णयों पर गौर करें।सजीव और सजग लोकतंत्र में न्यायपालिका की भूमिका अहम रहती है। वह लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी स्तंभों के बीच संतुलन बनाए रखती है। संवैधानिक मूल्यों, कानून के शासन, नागरिकों की आजादी, समानता और न्याय की रक्षा करती है। जैसा कि मानव अधिकारों के चौम्पियन जस्टिस वीआर कृष्ण अय्यर ने कहा था, श्न्यायिक समीक्षा अधिकारियों को उनकी सीमाओं के दायरे में रखने के लिए संवैधानिक नियंत्रण के बतौर काम करती हैश। भारत में मनमाने कानूनों, निजी विवादों, सामाजिक अन्याय और शासनतंत्र के दुरुपयोग के खिलाफ अदालतें अक्सर कारगर हथियार साबित होती रही हैं। दूसरी तरफ अलग–अलग अदालतों ने कई फैसलों में सरकारों की मनमानी का समर्थन किया है और संवैधानिक मूल्यों की अनदेखी की है। कई मौकों पर उनकी भूमिका ने निराश किया है। न्याय की उम्मीद लेकर अदालतों के दरवाजों पर दस्तक देने वाले लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ा है। फिर भी, न्यायपालिका ने समय–समय पर सरकारी तंत्र पर अंकुश लगाया है, उसकी जवाबदेही तय की है। इस सिलसिले में अभी हाल में संवैधानिक अदालतों के फैसलों ने ध्यान खींचा है।अदालती फैसलों के अलावा सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जवल भुयन की लगातार आ रही टिप्पणियां भी न्यायपालिका में चल रहे विचार मंथन की झलक पेश करती हैं। उन्होंने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अदालतों के कई फैसलों की आलोचना की है। सुप्रीम कोर्ट के किसी जज द्वारा न्यायिक फैसलों की खामियों को सामने रखने के उदाहरण दुर्लभ होते जा रहे हैं। बहरहाल, पहले संवैधानिक अदालतों (सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट) के कुछ निर्णयों पर गौर करें। ये नागरिकों की आजादी, शांतिपूर्ण तरीकों से विरोध जताने के अधिकारों का समर्थन करते हैं। सरकारों के दमन और बुनियादी अधिकारों को कुचलने की कोशिशों को रद्द करते हैं। ये फैसले आगे के लिए नजीर बन सकते हैं।सुप्रीम कोर्ट ने 1 सितंबर को संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए 20 जुलाई से 25 जुलाई 2026 के बीच आंदोलनकारी छात्रों पर देश भर में दर्ज सभी एफआईआर को रद्द कर दिया। भारत के चीफ जस्टिस की एक टिप्पणी के बाद इंटरनेट मीम्स के बीच कॉकरोच जनता पार्टी का जन्म हुआ। इसके झंडे तले छात्रों ने जंतर–मंतर पर नीट पेपर लीक के लिए शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के लिए 20 जून से आंदोलन शुरू किया था। 25 जुलाई को प्रधान के इस्तीफे के बाद आंदोलन पर विराम लगा। छात्रों और सरकार के बीच देशभर में आंदोलनों के संबंध में छात्रों पर दर्ज मामले वापस लेने की सहमति बनी थी। सरकार द्वारा वादा न निभाने के विरोध में छात्रों ने 5 सितंबर को संसद कूच का ऐलान किया। आखिरकार केंद्र और कुछ राज्य सरकारों के आग्रह पर 1 सितंबर को चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुआई में तीन न्यायाधीशों की बेंच ने सभी एफआईआर रद्द कर दी।2 सितंबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिल्ली यूनिवर्सिटी की कानून की एक छात्रा आकृति चौधरी की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) में नोएडा पुलिस द्वारा की गई नजरबंदी को रद्द कर दिया। 13 अप्रैल को नोएडा में न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी की मांग कर रहे कारखाना मजदूरों के आंदोलन से एक दिन पहले आकृति को गिरफ्तार किया गया था। उस पर आगजनी और पथराव के लिए भड़काने का आरोप है। जस्टिस अतुल श्रीधरन और अचल सचदेव की बेंच ने प्रशासन को पांच लाख रुपए हर्जाना देने और किसी अन्य मामले में गिरफ्तारी की जरूरत न होने की स्थिति में आकृति को फौरन रिहा करने का आदेश दिया। आकृति के खिलाफ नोएडा के पांच पुलिस थानों में मजदूर आंदोलन के संबंध में 11 एफआईआर दर्ज हैं। सुप्रीम कोर्ट का एक फैसला बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के बारे में है। लेकिन यह छात्रों से जुड़ा है। 3 सितंबर को देश की सबसे बड़ी अदालत ने निर्णय दिया कि बार काउंसिल को कानून के छात्रों को अनुशासित करने या उन्हें नियमों के दायरे में रखने का कोई अधिकार नहीं है। कोर्ट ने नलसार यूनिवर्सिटी के विधि ग्रेजुएट्स का वकील के रूप में रजिस्ट्रेशन न करने की धमकी देने वाले काउंसिल के आदेश को रद्द कर दिया। यह धमकी छात्रों द्वारा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में चीफ जस्टिस सूर्यकांत को आमंत्रित किए जाने का विरोध करने पर दी गई थी। बीसीआई अध्यक्ष मनन कुमार मिश्र का कहना था चूंकि उन्होंने नलसार यूनिवर्सिटी को जारी आपत्तिजनक पत्र वापस ले लिया है, लिहाजा मामले को खत्म कर दिया जाए। फिर भी सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि बीसीआई या राज्यों की बार काउंसिल को विधि छात्रों पर किसी तरह की अनुशासनात्मक कार्रवाई का अधिकार नहीं है। बीसीआई के दायरे में केवल वकील आते हैं। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं के वकील के इस तर्क से सहमति जताई कि बीसीआई का 13 अगस्त को नलसार यूनिवर्सिटी को जारी पत्र छात्रों के बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी में गहरी सेंध लगाता है। सुप्रीम कोर्ट के दो फैसले और इलाहाबाद हाईकोर्ट का निर्णय मानवीय स्वतंत्रता, गरिमा और सम्मान की रक्षा करने के सशक्त मैसेज देते हैं। वे जोर देते हैं कि असहमति और अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान करना कितना जरूरी है। इस कड़ी में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जवल भुयन के भाषण इन मूल्यों की रक्षा करने की अहमियत बताते हैं। उन्होंने जजों की नियुक्ति, उनके ट्रांसफर सहित कई मुद्दों को उठाया है। यहां जस्टिस भुयन के कुछ भाषणों का जिक्र काफी है। उन्होंने 25 जुलाई को नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल में जस्टिस जीपी सिंह स्मृति व्याख्यान में कहा कि

अपने विचारों की अभिव्यक्ति और शांतिपूर्ण प्रदर्शन नागरिकों की बुनियादी स्वतंत्रता का हिस्सा हैं। बहस और असहमति लोकतंत्र का मूल हैं। उन्होंने छात्रों के विरोध प्रदर्शनों का हवाला देते हुए कहा कि दुर्भाग्य से सामान्य गतिविधियों को भी आपराधिक माना जा रहा है। उन्होंने बुलडोजर चलाने की कार्रवाई के संबंध में 2024 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा लेकिन फैसला दो साल की देर से आया है। 1 अगस्त को नई दिल्ली में लीगल पॉलिसी विधि सेंटर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश भुयन ने कहा कि न्यायिक नियुक्तियों में पारदर्शिता के अभाव से ऐसे लोग न्यायपालिका में आ सकते हैं जो बाद में लोगों के समूह को चींटियां कहें। उन्होंने ऐसी टिप्पणियों को पूरी तरह असंवैधानिक बताया है।

लेखपाल से दुर्व्यवहार के मामले में चार पुलिसकर्मी निलंबित कार्रवाई के बाद लेखपाल संघ ने खत्म किया काम बंद आंदोलन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में सदर तहसील के लेखपाल हिमांशु यादव से कथित दुर्व्यवहार के मामले में पुलिस अधीक्षक ने क्राइम ब्रांच के चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया। कार्रवाई के बाद उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने अपना काम बंद आंदोलन समाप्त कर दिया। शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर में सदर तहसील अध्यक्ष विक्रांत सिंह चौहान के नेतृत्व में लेखपालों ने प्रदर्शन किया। लेखपालों का आरोप था कि क्राइम ब्रांच की एसओजी टीम किसी अन्य व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही थी।

इसी दौरान गलतफहमी में टीम ने लेखपाल हिमांशु यादव को पकड़ लिया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया। घटना से नाराज लेखपालों ने संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर काम बंद आंदोलन शुरू किया था। मामले में पुलिस अधीक्षक ने हेड कांस्टेबल प्रफुल्ल यादव, हेड कांस्टेबल आशुतोष सिंह, हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र यादव और कांस्टेबल विनीत यादव को निलंबित कर दिया। कार्रवाई की जानकारी मिलने के बाद लेखपाल संघ ने संतोष जताया। दर्जनों लेखपालों ने अपर जिलाधिकारी से मुलाकात कर अपनी मांग रखी। मुख्य राजस्व अधिकारी ने भी जिला अध्यक्ष को फोन पर निलंबन की जानकारी दी। शुरुआत में आदेश की प्रति उपलब्ध नहीं होने के कारण लेखपालों में असमंजस की स्थिति रही। बाद में मुख्य राजस्व अधिकारी ने जिला अध्यक्ष और पीड़ित लेखपाल हिमांशु यादव को बुलाकर निलंबन आदेश की प्रति दिखाई। हिमांशु यादव ने आदेश की प्रति स्वयं पढ़कर कार्रवाई की पुष्टि की और संतोष जताया। उन्होंने जिला कार्यकारिणी तथा साथी लेखपालों का आभार व्यक्त किया। इसके बाद लेखपाल संघ ने सदर तहसील में चल रहा काम बंद आंदोलन समाप्त करने की घोषणा की।

यूपी के कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए जनहित स्वास्थ्य पोर्टल शुरू

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने कर्मचारियों और पेंशनरों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति की प्रक्रिया में बड़ी राहत देते हुए 'जनहित स्वास्थ्य पोर्टल' शुरू किया है। नई व्यवस्था के तहत चिकित्सा प्रतिपूर्ति के दावों से जुड़ी पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है। इससे कर्मचारियों और पेंशनरों को अब चिकित्सा प्रतिपूर्ति के लिए कागजी फाइलों और कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। नई ऑनलाइन व्यवस्था का उद्देश्य दावों के निस्तारण की प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और सरल बनाना है।नई व्यवस्था के तहत उपचार शुरू होने के 30 दिन के भीतर संबंधित विभाग को इसकी सूचना देनी होगी। इसके बाद 90 दिन के अंदर 'जनहित स्वास्थ्य पोर्टल' पर चिकित्सा प्रतिपूर्ति के लिए दावा प्रस्तुत करना होगा। दावा करते समय चिकित्सा से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने होंगे, जिससे संबंधित अधिकारियों को दावे की जांच और निस्तारण में सुविधा होगी।पोर्टल पर प्राप्त दावे का निस्तारण निर्धारित प्रक्रिया के तहत किया जाएगा और दावा प्राप्त होने के 45 कार्यदिवस के भीतर चिकित्सा प्रतिपूर्ति का भुगतान किया जाएगा। प्रतिपूर्ति की गणना संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली की निर्धारित चिकित्सा दरों के आधार पर की जाएगी।जनहित स्वास्थ्य पोर्टल' को मानव संपदा पोर्टल से भी जोड़ा जाएगा। इससे मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली कोड वाले कर्मचारियों का व्यक्तिगत और सेवा संबंधी विवरण पोर्टल पर स्वतः प्रदर्शित होगा। इससे आवेदन भरने की प्रक्रिया और आसान होगी तथा कर्मचारियों को बार-बार अपनी सेवा संबंधी जानकारी दर्ज करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

बीबीएयू में खेल प्रतियोगिताओं की तैयारियों के लिए प्रशिक्षण शिविर 16 सितंबर से

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के दौरान उत्तर एवं मध्य क्षेत्र तथा अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले विद्यार्थियों की तैयारियों के लिए 16 सितंबर से विशेष प्रशिक्षण शिविर शुरू होगा। विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर लखनऊ और अमेठी स्थित उपकेंद्र के सभी पंजीकृत विद्यार्थी इस प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभाग कर सकेंगे।प्रशिक्षण शिविर का आयोजन खेलकूद अनुभाग के निदेशक प्रो. के. एल. महावर के निर्देशन में तथा खेलकूद अनुभाग के सहायक निदेशक डॉ. मनोज कुमार डडवाल के मार्गदर्शन में किया जाएगा। विभिन्न टीम और व्यक्तिगत स्पर्धाओं के पुरुष एवं महिला वर्ग के इच्छुक छात्र-छात्राओं के लिए प्रशिक्षण 16 सितंबर से शुरू होगा। प्रशिक्षण सत्र सोमवार से शनिवार तक प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित किए जाएंगे। प्रातःकालीन सत्र सुबह 6 से 8 बजे तक तथा सायंकालीन सत्र शाम 4रू30 से 6रू30 बजे तक संचालित होगा। प्रशिक्षण का आयोजन एसएएस भवन के पीछे स्थित परेड मैदान में किया जाएगा।महिला विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से बीएमएसएसी परिसर में एरोबिक्स प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण 16 सितंबर से प्रतिदिन सुबह 7 से 8 बजे तक होगा, जिसमें सभी इच्छुक छात्राएं प्रतिभाग कर सकती हैं।

विश्व इंक्लूजन सम्मेलन से मिली सीख से समाज कल्याण विभाग में आएगी नई सोच और नए प्रयास

लखनऊ, (संवाददाता)। नई दिल्ली में आयोजित विश्व समावेशन सम्मेलन-2026 से मिली सीख अब उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण विभाग के कामकाज में नई सोच और नए प्रयासों का आधार बनेगी। इसी उद्देश्य से बुधवार को गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में बैठक आयोजित की गई। 'एक विश्व, सबका सम्मान' विषय पर आयोजित बैठक में समाज कल्याण राज्यमंत्री असीम अरुण, दिव्य प्रेम सेवा मिशन के संस्थापक आशीष, प्रमुख सचिव समाज कल्याण अनुराग यादव और निदेशक संजीव सिंह सहित विभाग के सभी अधिकारी मौजूद रहे।बैठक में सम्मेलन में प्रतिभाग करने वाले नव नियुक्त जिला समाज कल्याण अधिकारियों ने विभिन्न विषयों पर प्रस्तुतिकरण के माध्यम से अपने अनुभव और वहां से मिली सीख साझा की। अधिकारियों ने बताया कि सम्मेलन के दौरान समावेशन, सामाजिक सहभागिता और समाज के विभिन्न वर्गों की बदलती जरूरतों को लेकर सामने आए विचारों को प्रदेश में समाज कल्याण की योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने में उपयोग किया जा सकता है।बैठक में इस बात पर विशेष रूप से मंथन किया गया कि समाज कल्याण के क्षेत्र में उभरती नई जरूरतों की समय रहते पहचान कैसे की जाए और उनके अनुरूप नई नीतियों तथा प्रभावी कार्यक्रमों को किस तरह विकसित किया जा सकता है।

स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण की प्रासंगिकता पर भाषण प्रतियोगिता, आस्था सिंह रहीं अव्वल

देश की उपासना समाचार पत्र
धनन्जय विश्वकर्मा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद के शिकागो धर्म संसद में दिए गए ऐतिहासिक भाषण की प्रासंगिकता विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान में किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 61 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के उपरांत शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में सम्मान एवं समापन समारोह आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने स्वामी विवेकानंद के 11 सितंबर 1893 को शिकागो धर्म संसद में दिए गए ऐतिहासिक भाषण की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा, धार्मिक सहिष्णुता, विश्वबंधुत्व और मानवता के संदेश को विद्यार्थियों ने प्रभावशाली ढंग से रेखांकित किया। वक्ताओं ने सामाजिक समरसता, सहिष्णुता, आत्मविश्वास तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका के संदर्भ में स्वामी विवेकानंद के विचारों को आज भी महत्वपूर्ण बताया। प्रतियोगिता में एचआरडी विभाग की छात्रा आस्था सिंह ने सर्वाधिक अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वैशाली राय ने द्वितीय तथा अमृता सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्वामी विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में आयोजित सम्मान समारोह में विजेता विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का शिकागो भाषण भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा और मानवतावादी दृष्टिकोण का विश्व के समक्ष प्रभावशाली परिचय था। उनके विचार आज भी युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन, सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। मानद पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. राजकुमार सोनी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का शिकागो भाषण केवल एक ऐतिहासिक संबोधन नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा, सहिष्णुता और विश्वबंधुत्व का वैश्विक संदेश है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वामी विवेकानंद के साहित्य एवं विचारों का अध्ययन कर उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। कार्यक्रम संयोजक एवं एचआरडी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रसिकेश ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति क्षमता, सार्वजनिक वक्तृत्व-कौशल तथा भारतीय संस्कृति और मूल्यों के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन और चिंतन युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. इंद्रेश गंगवार एवं शोधार्थी उद्देश्य सिंह शामिल रहे। निर्णायक मंडल के निर्णय के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। इस अवसर पर डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, प्रो. मिथिलेश, डॉ. इंद्रेश गंगवार, डॉ. अनुपम कुमार, डॉ. प्रवीण मिश्रा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन छात्र अवंतिका यादव एवं प्रांजल मौर्य ने किया। स्वयंसेवक इंचार्ज दिव्यांशु सिंह एवं ऐशवी अस्थाना रहे। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम आयोजक प्रो. राजकुमार ने किया। कार्यक्रम में खुशी सिंह, कुणाल मिश्रा, निधि सिंह, अनुराग तिवारी, उज्ज्वल सिंह, संजना मिश्रा, अर्चना, साक्ष्य, अभय सिंह सहित विभिन्न संकायों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

'अमरावती स्पोर्ट्स सिटी में हुआ फ्री हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन'

लखनऊ। अमरावती स्पोर्ट्स सिटी में मेदांता हॉस्पिटल के सहयोग से हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में 60 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया और विशेषज्ञ डॉक्टरों से मुफ्त परामर्श के साथ विभिन्न स्वास्थ्य जांच सुविधाओं का लाभ उठाया। कैंप का उद्देश्य लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और संभावित स्वास्थ्य समस्याओं की समय रहते पहचान के लिए नियमित जांच के प्रति प्रोत्साहित करना था। कैंप के दौरान ब्लड प्रेशर, रैंडम ब्लड शुगर, फेफड़ों की जांच ,हड्डियों की मजबूती की जांच और दिल की जांच जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जांच की गईं। जांच के बाद विशेषज्ञ डॉक्टरों ने लोगों की रिपोर्ट का मूल्यांकन कर उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार आवश्यक सुझाव और परामर्श भी दिया। इस अवसर पर 'अमरावती ग्रुप के फाउंडर एवं चेयरमैन श्री रवि प्रकाश पाण्डेय ने कहा', "अमरावती में हमारा प्रयास सिर्फ एक मॉडर्न स्पोर्ट्स सिटी तैयार करना नहीं है, बल्कि यहां आने वाले लोगों के लिए खेल, फिटनेस और बेहतर स्वास्थ्य से जुड़ा सकारात्मक माहौल तैयार करना भी है। खेल और स्वास्थ्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। ऐसे हेल्थ कैंप लोगों को अपनी सेहत के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए भी प्रेरित करते हैं। हमें खुशी है कि मेदांता हॉस्पिटल के सहयोग से अमरावती स्पोर्ट्स सिटी में लोगों को जरूरी स्वास्थ्य जांच के साथ विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह भी उपलब्ध कराई जा रही है।" विशेषज्ञ डॉक्टरों ने बताया कि नियमित स्वास्थ्य जांच से कई बीमारियों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का शुरुआती स्तर पर ही पता लगाया जा सकता है। ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर जैसी समस्याओं में कई बार शुरुआती दौर में स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। ऐसे में समय-समय पर स्वास्थ्य की जांच कराना और किसी भी असामान्य रिपोर्ट या लक्षण की स्थिति में डॉक्टर की सलाह लेना बेहद जरूरी है। हेल्थ चेकअप कैंप के माध्यम से लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित व्यायाम करने और अपने स्वास्थ्य की नियमित निगरानी रखने के लिए भी जागरूक किया गया।

दंगा भड़काने, सरकारी कार्य में बाधा और जानलेवा हमले के आरोप में आठ गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत लाइन बाजार पुलिस ने दंगा भड़काने, सरकारी कार्य में बाधा डालने और जानलेवा हमला करने के मामले में वांछित आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद सभी आरोपितों का चालान न्यायालय भेज दिया। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के दिशा-निर्देशन तथा सहायक पुलिस अधीक्षकक्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता के पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस के अनुसार थाना लाइन बाजार में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 379/2026 में बीएनएस की विभिन्न धाराओं और 7 सीएलए एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। विवेचना के दौरान बढ़ोत्तरी धारा 3(5) बीएनएस भी लगाई गई है। इसी मामले में पुलिस ने आठ वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों में सौरभ यादव निवासी रसैना, राहुल यादव निवासी तिवारीपुर, प्रियांशु यादव निवासी कुद्दूपुर श्रीनगर, पतिराम यादव निवासी कुद्दूपुर, प्रवीण कुमार सिंह उर्फ शनि सिंह निवासी कादीपुर, लल्लन सोनकर निवासी रंजीतपुर, अमित मौर्या उर्फ नाटे निवासी पचोखर और हरेराम यादव निवासी रंजीतपुर शामिल हैं। सभी थाना लाइन बाजार क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया।

'फीनिक्स पलासियो स्थित इशारा में लखनऊ पहुँचा द गॉरमेट बेगम'

'लखनऊ,।' फीनिक्स पलासियो स्थित इशारा में द गॉरमेट बेगम का खास फूड एक्सपीरियंस लखनऊ पहुँचा। अवध की समृद्ध खान-पान की परंपरा से जुड़ा यह खास आयोजन सीमित समय के लिए उपलब्ध है। इसमें अवधी व्यंजनों की लंबी रेंज पेश की जा रही है, जिसमें पारंपरिक रेसिपी, धीमी आंच पर पकाने का तरीका और नवाबी दौर के खास स्वाद को एक साथ रखा गया है। मुंबई, पुणे, बेंगलुरु और अहमदाबाद जैसे शहरों में अपनी पहचान बना चुका द गॉरमेट बेगम अब अवधी खाने की धरती लखनऊ आया है। इस बार इसके लिए सुनैया कपूर और शेफ शहनवाज कुरैशी ने खास मेन्यू तैयार किया है। मेन्यू में अवधी खाने की खासियत को अलग-अलग व्यंजनों के जरिए पेश किया गया है। इसमें खास कबाब, दम पर बने व्यंजन, पुलाव, बिरयानी, रोटियां और मिठाइयां शामिल हैं। मेन्यू में गलावट कबाब, माही टिक्का, मुर्ग बारादरी, मतबख-ए-निहारी, सुलेमानी रान, रूमी बिरयानी, शीरमाल, वरकी पराठा और वरक-ए-शाही टुकड़ा खास आकर्षण हैं। इसमें शाकाहारी और जैन व्यंजनों के भी कई विकल्प रखे गए हैं। द गॉरमेट बेगम सिर्फ खाने का मेन्यू नहीं, बल्कि अवध के खान-पान और मेहमाननवाजी की परंपरा को करीब से जानने का एक अनुभव है। अवधी खाने में धैर्य, बारीकी और धीमी आंच पर पकाने की खास भूमिका रही है, जिसे इस अनुभव में भी खास तौर पर शामिल किया गया है। द गॉरमेट बेगम के इशारा, फीनिक्स पलासियो में आने से लखनऊ में खास और अलग तरह के खान-पान के अनुभव देने वाली जगह के तौर पर इसकी पहचान और मजबूत हुई है। फीनिक्स पलासियो में स्थित यह रेस्टोरेंट एक आधुनिक माहौल में ऐसे अनुभव पेश करता है, जहां खाना, संस्कृति और उससे जुड़ी कहानियां एक साथ देखने को मिलती हैं। यहां मेहमान अवध के मशहूर खान-पान और मेहमाननवाजी की परंपरा को नए अंदाज में जान और महसूस कर सकते हैं। फीनिक्स मिल्स के रिटेल डायरेक्टर (नॉर्थ) संजीव सरीन ने कहा, "लखनऊ का अवधी खाने से बहुत गहरा रिश्ता है, इसलिए द गॉरमेट बेगम के लिए इससे बेहतर जगह नहीं हो सकती। यह अनुभव पारंपरिक अवधी स्वाद और खान-पान की विरासत को एक आधुनिक और प्रीमियम मंच पर पेश करता है। इसमें उन रेसिपी और व्यंजनों को खास अंदाज में पेश किया गया है, जिन्हें लंबे समय से घरों और स्थानीय खान-पान की जगहों पर पसंद किया जाता रहा है। फीनिक्स पलासियो में हमारी कोशिश हमेशा ऐसी चीजें पेश करने की रही है, जो सिर्फ खरीदारी तक सीमित न हों। इशारा, जिसकी शुरुआत प्रशांत इस्सर ने की है, के साथ हमें खुशी है कि द गॉरमेट बेगम को अवध की समृद्ध खान-पान की विरासत को खास अंदाज में पेश करने का एक अलग मंच मिला है। इससे हमारे मेहमान अवध के इन खास स्वादों का नए और बेहतर अंदाज में अनुभव कर सकेंगे।" सुनैया कपूर ने कहा, "द गॉरमेट बेगम के जरिए हमारी कोशिश रही है कि अवधी खाने, उसकी विरासत और परंपराओं से जुड़ाव बना रहे और साथ ही इसे आज के लोगों के सामने पूरे सम्मान के साथ पेश किया जाए। इस अनुभव को लखनऊ लाना हमारे लिए खास मायने रखता है।" द गॉरमेट बेगम 11 सितंबर से 11 अक्टूबर 2026 तक इशारा, फीनिक्स पलासियो, लखनऊ में उपलब्ध रहेगा। यह सोमवार से शुक्रवार दोपहर 12 बजे से रात 11 बजे तक और शनिवार-रविवार दोपहर 12 बजे से रात 11:30 बजे तक उपलब्ध है।

मृतक विशाल की मां ने विधायक लकी यादव पर लगाया हत्या की साजिश का आरोप, विधायक बोले- मेरा कोई लेना-देना नहीं

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के रामदयालगंज बाजार में शुक्रवार सुबह हुई विशाल यादव की हत्या के बाद गांव में तनाव का माहौल है। घटना के बाद पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। मृतक की मां ने मल्हनी विधायक लकी यादव पर गंभीर आरोप लगाते हुए घटना के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि विधायक ने आरोपों को सिरे से खारिज किया है। मृतक की मां के अनुसार विशाल यादव शुक्रवार सुबह रामदयालगंज बाजार में दाढ़ी-बाल बनवाने गया था। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद लोगों ने उसके साथ मारपीट की। उसका हाथ तोड़ने के बाद सिर पर सरिया समेत अन्य सामान से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। जानकारी मिलने पर परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मां ने आरोप लगाया कि विधायक लकी यादव ने अपने बुआ के लड़कों को संरक्षण दे रखा है और उन्हीं लोगों ने घटना को अंजाम दिया। उन्होंने पुलिस से आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उनका कहना है कि विशाल की किसी से कोई रंजिश नहीं थी। वह काफी समय से बाहर रहकर ट्रेलर चलाता था और परिवार का इकलौता कमाने वाला था। परिजनों ने पुलिस कार्रवाई पर भी सवाल उठाए हैं। आरोप है कि घटना के बाद उनके बेटों के साथ मारपीट की गई और परिवार के खिलाफ ही मुकदमा दर्ज कर दिया गया।विशाल हत्याकांड से रामदयालगंज में तनाव, गांव पुलिस छावनी में तब्दील है इस संबंध मे शानिवार को जानकारी लेने पर सपा विधायक लकी यादव ने कहा कि हत्या की घटना से उनका कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि विधायक होने के नाते लोग उनके घर आते-जाते हैं और तस्वीरें खिंचवाते हैं। ऐसी ही तस्वीरों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है। यह विरोधी पार्टियों की साजिश है जो मुझे बदनाम करने कापयास कर रहे हैं उन्होंने घटना की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि वह दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ हैं और प्रशासन से हरसंभव सहायता दिलाने का प्रयास करेंगे।

जौनपुर में सपा की मासिक बैठक, संगठन मजबूत करने पर जोर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर में समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक शनिवार को हुई। यह बैठक दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक जिला उपाध्यक्ष श्याम बहादुर पाल की अध्यक्षता में हुई। इसमें संगठन को मजबूत और सक्रिय बनाने के साथ-साथ आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष श्याम बहादुर पाल ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने को कहा। उन्होंने पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को लोगों तक पहुंचाने पर भी जोर दिया। बैठक को प्रदेश सचिव सुशील दुबे, जिला उपाध्यक्ष हीरालाल विश्वकर्मा, सुरेश यादव, उमाशंकर पाल, जिला सचिव राजदेव पाल, कैलाशनाथ यादव, भूपेश पाण्डेय, कमलेश यादव, रामकेश बिंद, दीपक विश्वकर्मा और विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष रामजतन यादव ने भी संबोधित किया। इनके अलावा, वीरेंद्र यादव, नंदलाल यादव, रामू मौर्य एडवोकेट, अजय विश्वकर्मा, जगदीश प्रसाद मौर्य 'गप्पू', रवि यादव, रामलले यादव, डॉ. अमित यादव, चंद्रशेखर यादव, शर्मिला रमेश, डॉ. निकहत हसन, हरिश्चंद प्रभाकर, अच्छेलाल गौतम, विजय बहादुर गौतम, अशोक यादव नायक, दिलीप प्रजापति, रामभिलाष यादव और जितेंद्र यादव ने भी अपनी बात रखी। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष इरशाद मंसूरी, ऋषि यादव, कमाल आजमी, भानु प्रताप मौर्य, अशफाक मंसूरी, राजा नवाब, आसिफ शाह, इंजीनियर अनुज दुबे, अशोक मिश्र, सोनी सेठ, रूबी बिंद एडवोकेट, पूनम यादव, संदीप बिंद, आलोक कुमार यादव, सलीम अहमद, राकेश लाला, सतीश यादव और धर्मेंद्र चौरसिया समेत कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे। बैठक का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया। बैठक के आखिर में समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव लाल मोहम्मद राईनी के भतीजे के अचानक निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया। सभी उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना जताई।

'राष्ट्रीय लोक अदालत के स्वास्थ्य शिविर में रेडक्रॉस ने निभाई सहयोगी भूमिका'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहाँपुर' राष्ट्रीय लोक अदालत के स्वास्थ्य शिविर में रेड क्रॉस ने सहयोगी भूमिका निभाते हुए मानव सेवा के संकल्प के साथ जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी पहुँचाने में विशेष योगदान दिया। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के आदेशानुसार शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर प्रातः 9 बजे से आयोजित स्वास्थ्य शिविर में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के जिला सचिव डॉ विजय जौहरी द्वारा स्वास्थ्य विभाग के साथ सहयोग करते हुए मानव सेवा के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के नोडल अधिकारी उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ दिनेश सिंह के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लोगों को आयुष्मान भारत गोल्डन कार्ड, दिव्यांग प्रमाणपत्र, नियमित टीकाकरण एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी एवं सुविधाएं उपलब्ध कराईं। इस अवसर पर इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ विजय जौहरी ने बताया कि रेडक्रॉस सदैव मानव सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय कर जरूरतमंदों तक सेवाएं पहुंचाने के लिए तत्पर है। शिविर के दौरान जिला कारागार के अधिकारियों ने भी सहभागिता की तथा जिला कारागार में रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा पूर्व में किए गए सेवा एवं सहयोग कार्यों पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने मानव सेवा के क्षेत्र में रेडक्रॉस के प्रयासों की सराहना की।

अवैध शराब के कारोबारियों पर आबकारी विभाग ने कसा शिकंजा

अयोध्या। शासन के निर्देश पर अवैध शराब के कारोबारियों पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग ने शनिवार को कई गांवों में ताबड़तोड़ दबिश देकर अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की।कार्रवाई के दौरान टीम ने 65 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद करने के साथ ही करीब 350 किलोग्राम लहन नष्ट किया।इस मौके पर क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षक सदर अरविंद शुक्ला ने बताया पर संचालित तीन अवैध शराब की भट्ठियों को ध्वस्त कर शराब बनाने के उपकरण भी जब्त किए गए।बताया कि जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षक क्षेत्र–1 एवं क्षेत्र–3 की संयुक्त टीम ने क्षेत्रीय स्टाफ के साथ ग्राम जमथरा, रेतिया, निर्मलीकुंड, सरियावां एवं कोटसराय (थाना कैंट) में आकस्मिक दबिश दी गई।बताया दबिश के दौरान अवैध रूप से तैयार की जा रही कच्ची शराब के साथ बड़ी मात्रा में लहन बरामद हुआ।टीम ने करीब 350 किलो लहन को मौके पर नियमानुसार नष्ट कर दिया। वहीं बरामद 65 लीटर कच्ची शराब को जब्त कर लिया गया।अवैध शराब तैयार करने के लिए प्रयोग की जाने वाली कई भट्ठियों को नष्ट कराया गया।बताया कि अवैध शराब के निष्कर्षण, बिक्री एवं परिवहन के खिलाफ विशेष प्रवर्तन अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।कार्रवाई करने वाली टीम में आबकारी निरीक्षक सदर अरविंद शुक्ला, आबकारी निरीक्षक सोहावल सतीश दीक्षित के साथ विकास पाल, अजय शर्मा, पवन तिवारी, घनश्याम गौड़, राजेश कुमार, रायना बानो एवं पूनम शामिल रहीं।

जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत,परिजनों में मचा कोहराम

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।खडासा थाना क्षेत्र के धौरहरा मुकुन्दहा गांव में शुक्रवार को एक युवक की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई।तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर लेकर पहुंचे।यहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।बताते चले कि धौरहरा मुकुन्दहा गांव निवासी मोहित रैदास (28) पुत्र राम अचल ने शुक्रवार को संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी।इसकी जानकारी होने पर परिजन आनन–फानन में उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर पहुंचे। वहां मौजूद चिकित्सक डॉ. अनिल कुमार ने युवक की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।परिजन युवक को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के अनुसार मोहित टाइल्स लगाने का काम करता था। उसकी मौत से परिवार के लोगों का रो–रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद गांव में भी मातम छाया हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर होगा राष्ट्रीय सम्मेलन

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली(हरदोई)' आगामी 24 सितम्बर 2026 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर उनके गृह जनपद मथुरा में ऑल इंडिया प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र मिश्रा के आवाह्न पर आयोजित होने वाले इस राष्ट्रीय सम्मेलन का नेतृत्व चीफ कोऑर्डिनेटर अनुराग एम सारथी करेंगे।सम्मेलन में देशभर से पत्रकार एवं संगठन से जुड़े पदाधिकारी प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारिता के क्षेत्र से जुड़े विशिष्ट विषयों, पत्रकारों की भूमिका तथा संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने को लेकर विचार विमर्श किया जाएगा।सम्मेलन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और देश के विभिन्न क्षेत्रों से पत्रकारों के मथुरा पहुंचने की संभावना है। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह सम्मेलन न केवल पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को जन–जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा बल्कि पत्रकारिता के वर्तमान चुनौतियों और भविष्य की दिशा पर भी गंभीर चर्चा करेंगे। चीफ कोऑर्डिनेटर अनुराग एम सारथी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार आज भी दिशा देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय एकात्मक मानववाद आज भी समाज और राष्ट्र के लिए मार्गदर्शक हैं उनके विचारों से प्रेरणा लेकर पत्रकारिता को समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनाना चाहिए। यह सम्मेलन इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। आयोजन समिति ने सभी पत्रकारों, संगठनों और बुद्धिजीवियों से आग्रह किया है कि वे इस राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

आत्मदाह करने पहुचे ट्रांसपोर्टर, पुलिस ने समझाया

गोरखपुर, (संवाददाता)। गीडा सेक्टर–22 स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय पर बृहस्पतिवार को कुशीनगर के तमकुहीराज थाना क्षेत्र के बसडीला बुजुर्ग निवासी ट्रांसपोर्टर मृत्युंजय ठाकुर आत्मदाह करने पहुंच गए। सूचना पर गीडा पुलिस मौके पर पहुंची और अधिकारियों से बातचीत कराकर उन्हें समझाया। मृत्युंजय ने आरोप लगाया कि करीब डेढ़ वर्ष पहले उनके मालवाहक वाहन की भार क्षमता 47.5 टन कर दी गई। वहीं कुछ अन्य वाहनों की भार क्षमता 52 से 53 टन तक बढ़ाई गई। इसे लेकर उन्होंने शासन में शिकायत की थी। शासन ने गोरखपुर आरटीओ से भार क्षमता बढ़ाए गए वाहनों की सूची मांगी थी। विभाग ने 172 वाहनों का विवरण शासन को भेजा था। ट्रांसपोर्टर के अनुसार, शासन ने बढ़ाई गई भार क्षमता को निर्धारित नियमों के विपरीत मानते हुए उसे कम करने के निर्देश दिए थे। आरोप है कि इसके बाद भी कार्रवाई नहीं की गई। उनका कहना है कि जब उनके वाहन की क्षमता कम रखी गई है तो दूसरे वाहनों को अधिक भार की अनुमति किस आधार पर दी गई। उन्होंने बुधवार को विभागीय अधिकारियों को आत्मदाह की चेतावनी दी थी। बृहस्पतिवार को वह कार्यालय पहुंच गए। पुलिस ने उनकी एआरटीओ परिवर्तन अरुण कुमार से बातचीत कराई। अधिकारी के आश्वासन के बाद पुलिस उन्हें अपने साथ ले गई। पांच से छह गाड़ियों की ग्रास व्हीकल वेट को लेकर मामला आया था। अग्रिम कार्रवाई के लिए भेजा गया है।

शाहपुर और खोराबार में कटौती से करीब दो हजार घरों के लोग परेशान

गोरखपुर, (संवाददाता)। शाहपुर के असुरन फीडर पर घोषित कटौती सुबह 11 बजे से अपराह्न तीन बजे तक थी लेकिन बिजली दोपहर 12 बजे से शाम छह बजे तक बाधित रही। इससे करीब एक हजार लोगों को परेशानी हुई। शाहपुर उपकेंद्र के आदित्यपुरी में भी दोपहर में करीब एक घंटे बिजली कटी रही। इससे करीब 100 घरों के लोग गर्मी में परेशान रहे। शाम को बिजली बहाल होने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। इस संबंध में एसडीओ शाहपुर वीके जायसवाल से संपर्क नहीं हो सका। वहीं, लालडिग्गी उपकेंद्र के दीवान दयाराम क्षेत्र में बुधवार को पोल और केबल में आग लगने के बाद बृहस्पतिवार को बिजली विभाग ने तारों के जंजाल को साफ कराया। इंटरनेट और डीएस के फाइबर केबल के जंजाल को काटकर हटाया गया। इससे बुधवार जैसी घटना दोबारा होने की आशंका को कम किया जा सके। जेई संदीप कुमार ने बताया कि बुधवार की घटना के बाद क्षेत्र में तारों के जंजाल को साफ कराया गया है। अनावश्यक केबल हटाए गए हैं। उधर, खोराबार उपकेंद्र में खराबी के कारण शाम 5रू30 से 7रू30 बजे तक बिजली प्रभावित रही। इससे करीब एक हजार घरों के लोग परेशान हुए। एसडीओ खोराबार जेपी गुप्ता ने बताया कि 11 केवी की आने वाली लाइन में दिक्कत हुई थी। करीब 45 मिनट तक एक फीडर बंद रहा जिसे ठीक कर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई।

जहां खेल और खिलाड़ी होते हैं, वहां नफरत की जगह नहीं

गोरखपुर, (संवाददाता)। जहां खेल और खिलाड़ी होते हैं, वहां नफरत की जगह नहीं होती। खेल मैदान पर टीमें एक–दूसरे के खिलाफ मुकाबला करती हैं लेकिन खेल लोगों को जोड़ता है। खेल के जरिये मोहब्बत और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। ये बातें जिला विद्यालय निरीक्षक अजीत कुमार सिंह ने बृहस्पतिवार को धर्मपुर के एक विद्यालय में आयोजित योनेक्स सनराइज द्वितीय राज्य स्तरीय अंडर–19 स्व. प्रकाश नारायण श्रीवास्तव बैडमिंटन प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर कहीं। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से करीब 250 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। एकल मुकाबलों में बागपत के रोहन नेहवाल ने सोनभद्र के भास्कर शर्मा को 30–1, प्रयागराज के शुभम यादव ने लखनऊ के पारस धानी को 30–29, लखनऊ के प्रशांक भादुरिया ने गोरखपुर के कार्तिक विश्वकर्मा को 30–24, शाहजहांपुर के ओम अरोड़ा ने वाराणसी के विख्यात प्रताप सिंह को 30–12 और लखनऊ के आकाश सिंह ने आजमगढ़ के नीलेश प्रजापति को 30–14 से हराया। कौशांबी के शौर्य राय ने लखनऊ के अंशीत चौरसिया को 30–14, सोनभद्र के सौरभ तिवारी ने अमेठी के रेवंत सिंह को 30–19, आगरा के सुमित ने अलीगढ़ के सुमित यादव को 30–9, प्रयागराज के प्रखर तिवारी ने लखनऊ के अक्षय पांडे को 30–16 और गोरखपुर के अभिषेक कुशवाहा ने बिजनौर के यश ठाकुर को 30–27 से हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया। अतिथियों का स्वागत एमजी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य नीरज कुमार श्रीवास्तव और निदेशक ओपी सिंह ने किया। संचालन खेल शिक्षक विवेकानंद मिश्र ने किया। आभार राजेश श्रीवास्तव ने जताया। इस दौरान जिला बैडमिंटन संघ के सचिव राजित श्रीवास्तव, अंतरराष्ट्रीय रेफरी रवि दीक्षित समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

देश नहीं भूल सकता वीर अब्दुल हमीद व गोविंद बल्लभ का योगदान – वसीम

भदोही, (संवाददाता)। कांग्रेस की ओर से अमर शहीद वीर अब्दुल हमीद की पुण्यतिथि एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत की जयंती पर सुरियावां के शेखर आजाद नगर स्थित एक निजी प्रतिष्ठान में गोष्ठी का आयोजन हुआ। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दोनों महान विभूतियों के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। जिलाध्यक्ष वसीम अंसारी ने कहा कि अमर शहीद वीर अब्दुल हमीद का जीवन देशभक्ति, साहस, त्याग और अदम्य वीरता की प्रेरणादायक मिसाल है। उन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर भारत माता का मान बढ़ाया। उनकी शहादत देशवासियों को सदैव राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी। वहीं पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी ने स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर देश और प्रदेश के निर्माण तक महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और राष्ट्रहित को सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता दी। यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव नाजिम अली, नगर अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी सुरियावां करन मौर्य ने भी संबोधित किया। मौके पर सुरेश गौतम, सुबुकतगीन अंसारी, त्रिलोकी नाथ बिंद, सुरेश चौहान, शमशीर अहमद रमाशंकर बिंद, राकेश पाल, विशाल गौतम आदि रहे।

गणेश चतुर्थी को लेकर आयोजकों की कोतवाली में हुई बैठक

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।बीकापुर में आगामी गणेश चतुर्थी पर्व पर गणेश प्रतिमा स्थापना एवं विसर्जन को सकुशल संपन्न कराने के दृष्टिगत शुक्रवार को कोतवाली में प्रतिमा स्थापित करने वाले आयोजकों के साथ बैठक की गई।इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र पांडेय द्वारा धार्मिक पर्व को शांतिपूर्ण और परंपरागत तरीके से मनाने को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान आयोजकों को निर्देशित किया गया कि बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए पंडाल को मजबूती के साथ वाटरप्रूफ तैयार किया जाए,ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो।सुरक्षा के दृष्टिकोण से पंडाल में अनिवार्य रूप से बाल्टी में बालू और पानी की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए।इसके साथ ही पंडाल में प्रतिदिन वॉलिंटियर्स की ड्यूटी लगातार बनाए रखने, पंडाल और विसर्जन के दौरान किसी भी प्रकार के नशे व शराब आदि का सेवन न करने की सख्त हिदायत दी गई। आयोजकों से कहा गया कि आयोजन और विसर्जन के दौरान केवल धार्मिक गीत ही बजाए जाएं और डीजे पर अश्लील गानों पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा।पूजा–अर्चना परंपरागत ढंग से शांतिपूर्ण माहौल में की जाए। प्रशासन ने सभी आयोजकों के साथ आपसी समन्वय स्थापित करते हुए त्योहार को भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। इस पर सभी आयोजकों ने प्रशासन द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन करने का आश्वासन दिया।इस मौके पर कोतवाली के सब इंस्पेक्टर भी मौजूद रहे।

सीआईएससीई राष्ट्रीय क्रिकेट में रोमांचक मुकाबले, कर्नाटक-गोवा का शानदार प्रदर्शन

गोरखपुर, (संवाददाता)। 7वीं सीआईएससीई राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता के तहत रेलवे क्रिकेट ग्राउंड और सहारा स्टेट ग्राउंड पर अंडर–19 और अंडर–17 वर्ग के रोमांचक मुकाबले खेले गए। खिलाड़ियों ने शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए जीत के लिए जोर लगाया। अंडर–19 वर्ग में आंध्र प्रदेश व तेलंगाना ने उत्तराखंड को नौ विकेट से हराया। उत्तराखंड ने 46 रन बनाए जिसके जवाब में आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना ने 47 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। दूसरे मैच में कर्नाटक व गोवा ने उत्तर प्रदेश को एक विकेट से शिकस्त दी। उत्तर प्रदेश ने 47 रन बनाए जबकि कर्नाटक एवं गोवा ने 48 रन बनाकर जीत दर्ज की। महाराष्ट्र ने आंध्र प्रदेश को दो विकेट से हराया। आंध्र प्रदेश के 79 रन के जवाब में महाराष्ट्र ने 80 रन बनाकर मुकाबला जीता। वहीं, कर्नाटक एवं गोवा ने तमिलनाडु एवं पुडुचेरी को एक विकेट से हराया। तमिलनाडु–पुडुचेरी ने 30 रन बनाए।

केएनयू में हरियाली रंगोत्सव में छात्राओं का फैशन शो

वाराणसी, (संवाददाता)। काशी नरेश विश्वविद्यालय में रंग तरंग सांस्कृतिक क्लब की ओर से बृहस्पतिवार को हरियाली रंगोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय की महिला प्रोफेसर और छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। आकर्षण का केंद्र छात्राओं का फैशन शो रहा। जिसमें विभिन्न रंगो की साड़ियां एवं कपड़े पहनकर छात्राओं ने वॉक किया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. उमा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय लोक संस्कृति एवं परंपराओं की मनोहारी झलक प्रस्तुत की। राधा – कृष्ण के भक्तिमय नृत्य, पहाड़ी नृत्य से लेकर सैंय्या मिले लड़कईय्या जैसी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण फैशन शो रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न क्षेत्रीय संस्कृतियों की पहचान से जुड़े परिधानों एवं विभिन्न क्षेत्रों की पारंपरिक दुपट्टा ड्रेपिंग शैलियों को प्रस्तुत किया। कुलपति ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए।

स्वास्थ्य विभाग ने दीपोत्सव को देखते हुए किया व्यापक तैयारियां

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। योगी आदित्यनाथ सरकार के नेतृत्व में अयोध्या में एक बार फिर भव्य दीपोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। इस वर्ष का दीपोत्सव धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत है और आधुनिक व्यवस्थाओं का अनूठा संगम बनने जा रहा है।पांच से आठ नवंबर तक चलने वाले आयोजन के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने पूरी सजगता और सावधानी के साथ व्यापक चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्णय लिया है।सीएमओ डॉ. देवेंद्र कुमार ने मेले के सकुशल संचालन के लिए डिप्टी सीएमओ डॉ राम मणि त्रिपाठी को मेलाधिकारी नियुक्त किया है।आयोजन स्थल और आसपास के क्षेत्रों में कुल 14 अस्थाई स्वास्थ्य शिविर स्थापित किए जाएंगे। ये शिविर 5 से 8 नवंबर तक संचालित रहेंगे।इन शिविरों में चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्राथमिक चिकित्सा मुहैया कराई जा सके।इन अस्थाई स्वास्थ्य शिविरों के संचालन के लिए 45 चिकित्सक अधिकारी, 45 फार्मासिस्ट तथा 45 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी। आपात चिकित्सा सेवाओं को और मजबूत बनाने के लिए तीन प्रमुख अस्पतालों में कुल 50 बेड आरक्षित किए गए हैं। इनमें मेडिकल कॉलेज में 20, जिला अस्पताल में 20 और श्रीराम चिकित्सालय में दस बेड शामिल हैं।ये बेड विशेष रूप से दीपोत्सव के दौरान संभावित आपात मामलों के लिए उपलब्ध रहेंगे। साथ ही दस महत्वपूर्ण स्थानों पर एंबुलेंस तैनात की जाएंगी। एंबुलेंस सेवाएं 24 घंटे सक्रिय रहेंगी और किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने का प्रबंध किया गया है।अस्थाई स्वास्थ्य शिविर,कन्ट्रोल रूम, घाट – 08 बेड,लता मंगेशकर चौराहा (नया घाट पुलिस चौकी),साकेत पेट्रोल पम्प (बस्ती बाईपास पुल के नीचे), हनुमानगुफा,अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि (निकास द्वार), श्रीराम जन्मभूमि (पीएसी),दशरथ महल,अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन,कारसेवक पुरम, हनुमानगढी,कनक भवन मन्दिर परिसर,अयोध्या धाम अर्न्तराष्ट्रीय बस स्टेशन है। जहां पर एंबुलेंस तैनात रहेंगी उसमे हनुमानगढ़ी, कारसेवक पुरम,भवन मन्दिर परिसर,श्रीराम जन्मभूमि (परिकोटा),नागेश्वरनाथ मन्दिर, नया (पुराना सरयूपुल) साकेत पेट्रोल पम्प,,वीणा चौराहा (लता मंगेश्कर चौक)हनुमान गुफा शामिल है। जहाँ पर दवाएं, उपकरण और आपात किट पहले से ही शिविरों में उपलब्ध करा दिए जाएंगे।सीएमओ डॉ देवेंद्र कुमार ने बताया कि दीपोत्सव जैसे विशाल आयोजन में स्वास्थ्य व्यवस्था सबसे प्राथमिकता का विषय है। इसलिए सभी आवश्यक दवाएं, उपकरण और आपात किट पहले से ही शिविरों में उपलब्ध करा दिए जाएंगे। चिकित्सकों और कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि वे भीड़भाड़ वाले माहौल में कुशलतापूर्वक काम कर सकें। स्वास्थ्य विभाग की इन तैयारियों से यह सुनिश्चित होगा कि श्रद्धालु बिना किसी चिंता के त्योहार का आनंद ले सकें। अयोध्या प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग मिलकर इस आयोजन को सफल बनाने के लिए दिन–रात जुटे हुए हैं।

24 घंटे में 32 मिमी बारिश, दो कच्चे मकान गिरे

भदोही, (संवाददाता)। जिले में बृहस्पतिवार को बदले मौसम के मिजाज से उमस भरी गर्मी से काफी हद तक लोगों को राहत मिली है। इस बीच रात और दिन के समय रुक–रुक कर हुई बरसात के कारण दो कच्चे मकान धराशायी हो गए। वहीं ग्रामीण इलाकों की सड़कें कीचड़ से सन गई। वहीं ग्रामीण बाजारों की पटरियों पर जलभराव हो गया। मौसम विभाग के अनुसार 24 घंटे में 32 मिमी (मिलीमीटर) बरसात दर्ज की गई है। हवाओं की दिशा में बदलाव से आगामी दिनों में बारिश का मौसम बना रहेगा। जिले में बीते कई दिनों से मौसम साफ था। हालांकि इस बीच कभी–कभार कुछ देर के लिए बूंदाबांदी या बारिश हो जा रही थी, लेकिन बुधवार को तीन बजे के करीब हवा की दिशा में बदलाव हुआ। पछुआ से पुरवा हवा चलने लगी। हवा की चाल बदलते ही आसमान में काले बादल मंडराने लगे। छह बजे के करीब 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवा के बीच बारिश हुई। उसके बाद करीब 45 मिनट से अधिक समय से पूरे जिले में बारिश दर्ज की गई। बृहस्पतिवार को बदले मौसम के बाद से लगातार बारिश का मौसम बना रहा है। रात में भी कई इलाकों में बारिश हुई। बारिश ज्ञानपुर, दुर्गागंज, अभोली, सुरियावां, मुख्यालय, भदोही, औराई सहित कई स्थानों पर हुआ।इस बीच रात के समय हुई बारिश से ऊंज के कुरमैचा गांव निवासी विजय कुमार उर्फ पामू दलित का रिहायशी मकान गिर गया। वहीं गांव के रास्ते कीचड़ से सन गए। कृषि विभाग केंद्र बेजवां के प्रभारी डॉ. अजय कुमार ने बताया कि दो–तीन दिन हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।